

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचारपत्र संकल्प शक्ति

संकल्प शक्ति के बल पर आओ हम सब मिलकर भय-भूख-झुंटाकार से मुक्त भारत का निर्माण करें।

पृष्ठ-8, मूल्य ₹ 5

डाक पंजीकरण संख्या MP/SDLN/0025/2023-2025



www.sankalpshakti.com

गुरुवार 14 नवम्बर से 20 नवम्बर 2024

वर्ष 15, अंक: 42

सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में

दिल्ली के पालम क्षेत्र में भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने निकाली नशामुक्त सद्भावना जनजागरण पदयात्रा

संगठन ने देश के लगभग 174 जिलों में चला रखा है यह अभियान: अजय अवस्थी

संकल्प शक्ति, नई दिल्ली। दिनांक 10 नवम्बर को नई दिल्ली के पालम क्षेत्र में भगवती मानव कल्याण संगठन के हजारों कार्यकर्ताओं ने नशामुक्त सद्भावना जनजागरण पदयात्रा निकाली, जिसकी अगुवाई संगठन के केन्द्रीय महासचिव अजय अवस्थी जी ने की।

यह नशामुक्त पदयात्रा जैन मंदिर धर्मशाला से प्रारम्भ होकर रामफल चौक, दादा देव मंदिर, मारुति चौक, परशुराम चौक, प्रधान चौक, जाट धर्मशाला, श्री भावान्न सिंह की कोठी, नसीरपुर चौक, साईं मंदिर, काली माता मंदिर, जाट चौपाल मार्ग से होते हुए वापस जैन धर्मशाला के पास पहुँचकर समाप्त हुई।

इस अवसर पर अजय अवस्थी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'परम पूज्य सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के आशीर्वाद एवं माता भगवती आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा की कृपा से नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत का यह अभियान पूरे देश में चल रहा है। भारत को यदि विश्वगुरु बनना है, तो युवाओं को नशे से, ड्रग्स से मुक्त कराना ही होगा। इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं है। संगठन ने देश के लगभग 172 जिलों में यह अभियान चला रखा है, पड़ोसी देश नेपाल में भी यह अभियान चल रहा है।

मेरे भाईयों-बहनों, दिल्ली को नशामुक्त बनाने के लिए पालम से शुरु हुआ यह अभियान तब तक नहीं रुकना चाहिए, जब तक कि यहाँ की सरकार पूरी दिल्ली को नशामुक्त प्रदेश घोषित न कर दे।'

सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के मार्गदर्शन व निर्देशन में भगवती मानव कल्याण संगठन के द्वारा पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से नशामुक्त सद्भावना जनजागरण यात्रा निकाली जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 10 नवम्बर 2024 को देश की राजधानी नई दिल्ली के पालम क्षेत्र में नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत के लक्ष्य को लेकर संगठन के हजारों कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा की। परम पूज्य गुरुवरश्री ने युवाओं का आवाहन किया है कि "आओ, अपनी शक्ति को पहचानो, नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन अपनाओ तथा धर्मरक्षा, राष्ट्ररक्षा और मानवता की सेवा के लिए आगे बढ़ो। आओ इस अभियान से, इस सत्य की यात्रा से जुड़ो और देश को पूर्ण नशामुक्त घोषित करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों को प्रेरित करो, व्याप्त अनैति-अन्याय-अधर्म के विरुद्ध आवाज उठाओ। तभी, तुम्हारा व तुम्हारे देश का भविष्य स्वर्णिम बन सकेगा।"

आओ, अपनी शक्ति को पहचानो: सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज



कार्तिक पूर्णिमा को हुआ था गुरुनानक देव का जन्म

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक का जन्म विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार 1469 में कार्तिक पूर्णिमा को पाकिस्तान के वर्तमान शेखुपुरा जिले के राय-भोई-दी तलवंडी, जो अब ननकाना साहिब है, में हुआ था।

गुरुनानक जन्मोत्सव आम तौर पर सभी सिखों के लिए एक जैसा होता है, केवल भजन अलग-अलग होते हैं। उत्सव आमतौर पर प्रभात फेरी से शुरू होता है। प्रभात फेरी सुबह-सुबह निकलने वाले जुलूस होते हैं, जो गुरुद्वारों से शुरू होते हैं और भजन गाते हुए इलाकों में घूमते हैं। आम तौर पर, जन्मदिन से दो दिन पहले, गुरुद्वारों में अखंड पाठ (सिखों की पवित्र पुस्तक,

गुरु ग्रंथ साहिब का अड़तालीस घंटे का बिना रुके पाठ) आयोजित किया जाता है।

जन्मदिन से एक दिन पहले, एक जुलूस, जिसे नगरकोर्तन कहा जाता है, आयोजित किया जाता है। इस जुलूस का नेतृत्व पंच प्यारों (पाँच प्यारे) द्वारा किया जाता है। वे सिख ध्वज ले जाने वाले जुलूस का नेतृत्व करते हैं, जिसे निशान साहिब और गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी के रूप में जाना जाता है। उनके बाद गायकों की टीमें भजन गाती हैं और भक्त कोरस गाते हैं। जुलूस शहर की सड़कों पर निकलता है।

कुछ गुरुद्वारों में रात्रि प्रार्थना सत्र भी



आयोजित किए जाते हैं, जो सूर्यास्त के आसपास शुरू होते हैं और जब रेहरास (शाम की प्रार्थना) का पाठ किया जाता है, उसके बाद देर रात तक कीर्तन होता है। मंडली लगभग 1:20 बजे गुरुवानी गाना शुरू करती है, जो कि गुरु नानक के जन्म का वास्तविक समय है। समारोह का समापन लगभग 02 बजे होता है। गुरु नानक गुरुपर्व दुनिया भर में सिख समुदाय द्वारा मनाया जाता है और यह सिख कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण त्यौहारों में से एक है। यह उत्सव विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में मनाया जाता है। यहां तक कि कुछ सिंधी भी इस त्यौहार को मनाते हैं।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोग डायबिटीज के हो रहे शिकार

14 नवंबर को मनाया जायेगा विश्व

मधुमेह दिवस

ब्लड शुगर का अनियंत्रित होना डायबिटीज (मधुमेह) का कारण बनता है। शुगर लेवल के बढ़ने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। डायबिटीज के मरीजों को समय के साथ कई अन्य प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है। डायबिटीज रोग पिछले कुछ दशकों में बढ़ा स्वास्थ्य जोखिम बनकर उभरा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोग इस रोग के शिकार पाए जा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, दुनियाभर में 500 मिलियन से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित हैं और अगले 30 वर्षों में यह संख्या दोगुनी से अधिक 130 करोड़ तक पहुंचने की आशंका है। डायबिटीज के जोखिम को कम करने के लिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है। तो, आइए जानते हैं विश्व मधुमेह दिवस का इतिहास और महत्व।

प्रतिवर्ष 14 नवंबर को मधुमेह दिवस मनाया जाता है। डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है, जो कुछ स्थितियों में जानलेवा हो सकती है। वैश्विक स्तर पर लोगों को मधुमेह के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल मधुमेह दिवस मनाया जाता है।

इतिहास

इंटरनेशनल डायबिटीज फाउंडेशन ने सबसे पहले डायबिटीज की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत को महसूस करते हुए इस दिन को मनाने की शुरुआत की। 1991 में संयुक्त राष्ट्र ने पूरी दुनिया में विश्व मधुमेह दिवस मनाने का फैसला लिया।

1992 में सर फ्रेडरिक बेंटिंग ने चार्ल्स बेस्ट के साथ मिलकर इंसुलिन की खोज की। सर फ्रेडरिक बेंटिंग का जन्म 14 नवंबर को हुआ था। ऐसे में इंसुलिन की खोज की उपलब्धि के लिए सर फ्रेडरिक बेंटिंग को याद रखने के लिए उनके जन्मदिन के मौके पर डायबिटीज दिवस मनाया जाने लगा।

14 नवंबर
विश्व मधुमेह
दिवस



मधुमेह दिवस का महत्व

इस दिन को मनाने का उद्देश्य मधुमेह के बारे में जागरूकता फैलाना है, ताकि मधुमेह के लक्षणों और उपचार के बारे में पता चल सके। इसके साथ ही लोगों को पास डायबिटीज से लड़ने की हेल्थ केयर सुविधा है या नहीं, इस बारे में भी जानकारी प्राप्त कर रोग से लड़ने के लिए तैयार करना है।

15 नवम्बर को मनाई जाएगी वृश्चिक संक्रांति



ज्योतिषियों की मानें तो सूर्य देव की उपासना करने से आत्मबल में वृद्धि होती है। वृश्चिक संक्रांति पर साधक स्नान-ध्यान कर आत्मा के कारक सूर्य देव की उपासना करते हैं। इस वर्ष वृश्चिक संक्रांति 15 नवम्बर को है।

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य देव को आत्मा का कारक माना जाता है। सूर्य देव एक राशि में 30 दिनों तक रहते हैं। इसके बाद राशि परिवर्तन करते हैं। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर संक्रांति मनाई जाती है। संक्रांति तिथि पर स्नान-ध्यान और दान-पुण्य किया जाता है। धार्मिक मत है कि संक्रांति तिथि पर सूर्य देव की उपासना करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। इसके साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके अलावा, शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है।

● सूर्य राशि परिवर्तन

सूर्य देव अगहन माह के कृष्णपक्ष की प्रतिपदा तिथि को राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन सूर्य देव सुबह 07 बजकर 41 मिनट पर तुला राशि से निकलकर वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे। 16 नवम्बर को सूर्य देव राशि परिवर्तन करेंगे। इस दौरान वे 19 नवंबर को अनुराधा और 02 दिसंबर को ज्येष्ठा नक्षत्र में गोचर करेंगे।

● वृश्चिक संक्रांति शुभ मुहूर्त

सूर्य देव अगहन माह के कृष्णपक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी 16 नवंबर को सुबह 07 बजकर 41 मिनट पर वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे। इस दिन पुण्यकाल सुबह 06 बजकर 45 मिनट से लेकर सुबह 07 बजकर 41 मिनट तक है। साधक अपनी सुविधा के अनुसार पुण्यकाल के दौरान स्नान-ध्यान कर पूजा, जप-तप एवं दान-पुण्य कर सकते हैं।

अनियंत्रित होकर
पिकअप सड़क पर
पलटी, छह घायल



दमोह। जिले के जबरा थाना क्षेत्र अंतर्गत चंडी चोपरा के पास एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। पिकअप में सवार छह लोगों को चोटें आने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में घायल हुए किशोर सिंह, मेघराज, मुन्ना सिंह, लोकेन्द्र, नीरज और राजू को एंबुलेंस से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

चलती ट्रेन से गिरने
पर यात्री के सिर
पर लगी चोट



ग्वालियर। शान ए भोपाल एक्सप्रेस की स्लीपर कोच में रविवार की सुबह चढ़ते समय एक यात्री गिर गया। वह ट्रेन व प्लेटफॉर्म के बीच गैप में चला गया। मौके पर मौजूद आरपीएफ के प्रधान आरक्षक सुनील कुमार राठौर ने ट्रेन रुकवाकर यात्रियों को मदद से गैप के अंदर घुसे यात्री को बाहर निकाला। यात्री रामकुमार (46), निवासी-उत्तम नगर भोपाल आया जा रहे थे। यात्री को परिजन के साथ इलाज के लिए तुरंत जेएच भेजा गया।

बदमाशों ने किया
दो भाइयों पर
चाकू से हमला

जबलपुर। रंजिशा के चलते बदमाशों ने बिलहरी निवासी दो युवकों पर चाकू से वार कर दिया। घर में तोड़फोड़ भी की। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराते हुए आरोपियों पर प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया, बिलहरी निवासी संतोष पासो फूलों की दुकान लगाता है। शनिवार की रात गुडू भदौरिया, पुष्पेंद्र बिहारी और संजू गढ़वाल उसके घर के बाहर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। तभी संतोष का भाई राजू बाहर निकल आया तो बदमाशों ने बेसबल स्टिक से मारपीट की और दोनों भाइयों पर चाकू से हमला किया, जिससे वे घायल हो गए।

घायलों को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में 11 कुकी उग्रवादी मारे गए और एक जवान शहीद

फाल। मणिपुर में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ एक मुठभेड़ में 11 संदिग्ध कुकी उग्रवादी मारे गए और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान शहीद हो गया। जिरिबाम जिले के जाकुराधोर करोंग में हुई इस मुठभेड़ में सीआरपीएफ के एक अन्य जवान के घायल होने की भी सूचना है। मुठभेड़ के बाद से पाँच नागरिक लापता बताए गए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि लापता नागरिकों को उग्रवादी अपने साथ ले गए या वे खुद ही हमले के डर से कहीं छिपे हैं। लापता नागरिकों और छिपे



उग्रवादियों को खोजने का काम चल रहा है।

जिरिबाम में मुठभेड़ सोमवार को दोपहर 2.30 बजे तब शुरू हुई जब

बोरोबेकरा सब-डिविजन के जाकुराधोर करोंग इलाके में उग्रवादियों ने खेतों में काम कर रहे किसानों पर हमला कर दिया, पास की दुकानों को फूँकने लगे। उग्रवादियों ने सीआरपीएफ कैप और थानों पर भी हमले किए।

जवाब में सीआरपीएफ जवानों ने भी फायरिंग की। कुकी उग्रवादियों ने इंदाव स्टेट में खेत में काम कर रहे एक युवक को गोली मार कर घायल कर दिया। बिष्णुपुर जिले में उग्रवादियों ने कृषि कार्य रोकने के लिए किसानों पर बम और गोलियां बरसाईं।

उत्तरप्रदेश में पुरुष टेलर नहीं
ले सकेंगे महिलाओं के कपड़ों की नाप



लखनऊ। उत्तरप्रदेश में अब पुरुष टेलर महिलाओं का कपड़ा सिलने के लिए उनका नाप नहीं ले सकेंगे। ये आदेश राज्य महिला आयोग ने जारी किया है। इसके अलावा जिम और योग सेंटर में महिला ट्रेनर को रखना जरूरी होगा। महिलाओं के लिए विशेष कपड़े बेचने वाले स्टोर्स में भी महिला स्टाफ होंगी।

हत्याकांड के बाद
आया यह फैसला

कानपुर के डीएम आवास कैम्पस में गत 27 अक्टूबर को एक बिजनेसमैन की पत्नी की लाश दफन मिली। महिला को 04 महीने पहले जिम ट्रेनर ने किडनैप किया था और बाद में कार में उसकी हत्या कर दी थी। आरोपी ने अजय देवगन की फिल्म दृश्यम से आइडिया लेकर ऐसा किया था। 28 अक्टूबर को महिला आयोग की बैठक हुई। इसमें लिए गए फैसलों को अब सभी जिलों में लागू करने का आदेश दिया गया है।

पाँच साल बाद भी
नहीं बन पाया चंबल
का ध्वस्त पुल



मंदसौर। मंदसौर जिले को राजस्थान से जोड़ने वाला चंबल नदी पर बना पुल वर्ष 2019 की बाढ़ में बह गया था, जो पाँच साल के बाद भी नहीं बन पाया है। इसके कारण हर दिन चंबल की लहरों पर जानजीखिम में डालकर ग्रामीणजन नदी पार कर रहे हैं। दो राज्यों के साथ जिले की दो विधानसभा गारंट और सुवासरा गांवों के लोगों को इससे अधिक परेशान होना पड़ रहा है। पुल के नवीनीकरण हेतु 20 करोड़ की राशि मंजूर हुई थी, लेकिन तीन बार टेंडर निकालने के बाद काम शुरू नहीं हो पाया। अब चौथी बार टेंडर हुआ है।

पराली जलाने पर अब
देना होगा दोगुना जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद 30 हजार रुपए तक जुर्माना हुआ निर्धारित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्र सरकार ने पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माना दोगुना कर दिया है। अब 02 एकड़ से कम जमीन पर 5000 रुपए, दो से पाँच एकड़ तक 10,000 रुपए और पाँच एकड़ से ज्यादा जमीन वालों से 30,000 रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। ये फैसला पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में लागू होगा।

दिल्ली में पराली
से कितना प्रदूषण?

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की ओर से 06 नवंबर को पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का



30.34 प्रतिशत प्रदूषण स्थानीय कारणों से है, जिसमें 50.1 प्रतिशत हिस्सा ट्रांसपोर्ट का है। इसके अलावा, 34.97 प्रतिशत प्रदूषण एनसीआर के आसपास के जिलों से आता है और 27.94 प्रतिशत अन्य क्षेत्रों से। दिल्ली के कुल प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान केवल 8.19 प्रतिशत है।

35 हज़ार रुपए रिश्तत लेते हुए रंगे
हाथ पकड़ा गया प्रभारी रीडर

रीवा। गुडू तहसील के नायब तहसीलदार कार्यालय में भृत्य को रीडर का प्रभार दिया गया था। लोकायुक्त टीम ने उसे नामांतरण के एवज में 35 हजार रुपए रिश्तत लेते हुए सोमवार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

गुडू के संदीप पांडेय ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि नामांतरण के आवेदन को दो माह से उलझाया जा रहा है। हर बार नायब तहसीलदार का प्रभारी रीडर पुष्पेंद्र मिश्रा (मूल पद भृत्य) रिश्तत की मांग कर रहा है। कुछ समय पहले ही उसने 50 हजार रुपए



की रिश्तत मांगी थी। फिर 35 हजार रुपए देने की बात हुई। सोमवार दोपहर जैसे ही संदीप ने नायब तहसीलदार कार्यालय में आरोपी पुष्पेंद्र मिश्रा एवं कोटवार बुद्धसेन साहू को रुपए दिए तो टीम ने दोनों को धर दबोचा।

एक ही परिवार
के तीन लोगों
की मौत

पटना। बिहार के भागलपुर में एक दर्दनाक हादसा होगा। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति, पत्नी और साहू शामिल हैं। यह घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मोदीनगर इलाके का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, शौचालय में पाइप लगाने के दौरान औजार टंकी में गिर गया, जिसे निकालने के दौरान यह हादसा हुआ। इसके बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी।

इस हदयविदारक घटना में सबसे पहले शौचालय की टंकी में उतरे पुनीत यादव नाम के व्यक्ति की दम घुटने से मौत हो गई। उसके बाद उसकी पत्नी और साहू उसे बचाने के लिए टंकी में घुसे और उनकी भी मौत हो गई।



चिन्तन



हमें सम्प्रदायिकता से ऊपर उठकर हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, सभी धर्मों का सम्मान करना है। हाँ, जिस धर्म में सिर्फ आतंकवादी मानसिकता है, तो सिर्फ वे आतंकवादी हमारे शत्रु हैं और वे किसी भी धर्म में हो सकते हैं। आज सम्प्रदायिकता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले और एक-दूसरे को लड़वाने वालों से पूछा जाये कि जिस तरह तुम समाज के समूहों को जाग्रत करते हो, तो क्या तुमने या तुमसे जुड़े हुए अनुयायियों ने किसी एक भी आतंकवादी को पकड़ा है? एक भी आतंकवादी को पकड़ करके क्रानून के हवाले किया गया है? तो वे अपना सिर नीचे को झुका लेंगे। अरे, सजगता लाओ और समाज को सजग बनाओ। आतंकवादी छिपते कहाँ हैं? आपके आसपड़ोस में, आपके शहरों के बीच में अपराधिक प्रवृत्ति के लोग छिपते हैं। आप क्रानून की मदद करो और जो अपराधी हों, उनको क्रानून के हवाले कराने में क्रानून की सहायता करो। यदि आज समाज सजग होजाये, तो आतंकवादी कहीं भी पनाह पा ही नहीं सकते।

ऋषिवाणी

धर्मसम्राट् युग चेतना पुरुष सद्गुरुदेव परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज

नशामुक्ति शंखनाद

शक्ति चेतना जनजागरण शिविर, दमोह (म.प्र.),
18-04-2015

क्रमशः...

अतः आगे बढ़ो और यदि कोई अधर्मी-अन्यायी अपराध करे और माफ़ी मांगे, तो उसे एक बार चेतावनी देकर माफ़ कर दो। कोई आपके एक गाल पर तमाचा मार दे और आप दूसरा गाल आगे कर दो, तो मैं ऐसी विचारधारा का समर्थक नहीं हूँ और न ही अपने शिष्यों को यह सिखाता हूँ। एक गाल पर कोई तमाचा मार दे, तो उसे चेतावनी दे दो, समझा दो कि एक बार गलती किए हो और यदि माफ़ी मांगते हो, तो हम तुम्हें माफ़ करते हैं। फिर भी यदि वह दोबारा हाथ उठाए, तो उसका हाथ तोड़ दो, जिससे कि न तो

वह तुम्हें मार सके और न ही किसी दूसरे को मारने के लायक बचे। हम शान्ति के आराधक हैं, मगर शक्ति के उपासक हैं और हमारे कोई भी देवता अस्त्र-शस्त्रों से विहीन नहीं हैं। आपके अन्दर चाहे जितनी भी बड़ी शक्ति आ जाये, लेकिन आपसे एक भी ऐसा व्यक्ति प्रताड़ित न हो, जो उस प्रताड़ना का अधिकारी न हो। कभी शक्ति का दुरुपयोग न करो और अपनी शक्ति का उपयोग रचनात्मक कार्यों में करो तथा अपनी रक्षात्मक शक्ति को प्रबल करो, मगर रक्षात्मक शक्ति को प्रबल करने का तात्पर्य यह नहीं है कि अधर्मी-अन्यायी तुम्हारा

कुछ भी करते चले जायें और तुम उनका विरोध भी न करो। तुम्हें आगे आना पड़ेगा, समाज को आगे आना पड़ेगा और यदि समाज आगे आकर खड़ा होजाये, तो निश्चित है कि समाज से पतन रुकने लग जायेगा। लोग कहते हैं कि बलात्कारियों को फाँसी दे दो। अरे, कितनों को फाँसी दोगे? मेरा मानना है कि आज समाज के नब्बे प्रतिशत लोग बलात्कारी मानसिकता के हैं और यदि मौक़ा मिले, तो वे सबकुछ कर सकते हैं। चूँकि ऐसा परिवेश डाल दिया गया है। समाज को इस परिवेश से निकालकर शुद्ध व सात्विक परिवेश देना है, उसे क्षुद्र

मानसिकता से निकालना है। सजाएं कुछ नहीं कर सकती हैं। बड़ी-बड़ी सजाएं दी जाती हैं, फिर भी एक की बजाय चार घटनाएं और सामने आ जाती हैं। यदि समाज को बदलना है, तो समाज को नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् बनाना पड़ेगा और जब हम समाज को चरित्रवान् बना देंगे, तो परिवर्तन सुनिश्चित है, उसे कोई रोक नहीं सकेगा। जब बच्चे नशे-मांसाहार से मुक्त होंगे, चरित्रवान् होंगे, तो कभी अनीति-अन्याय करेंगे ही नहीं, किसी को ग़लत निगाहों से देखेंगे ही नहीं।

... शेष अगले अंक में

संकलनः
पूजा शुक्ला

‘माँ’ की साधना से वह सब कुछ पाया जा सकता है, जो दुर्लभ है

चौबेपुर, कानपुर (सौरभ मिश्रा)। सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के आशीर्वाद से दिनांक 5-6 नवंबर को कन्हैया पार्टी लॉन, चौबेपुर, कानपुर में 24 घंटे का श्री दुर्गाचालीसा अखण्ड पाठ सम्पन्न किया गया।

समापन अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय प्रचारमंत्री वीरेंद्र दीक्षित जी ने कहा कि ‘हमें यह मानवजीवन सनातनधर्म की रक्षा, राष्ट्र की रक्षा एवं मानवता की सेवा के लिए मिला है, तो हमें अपने इस जिज्ञासा को इन तीनों मानवीय कर्तव्यों को पूरा करने के लिए अर्पित कर देना है। परोपकार की भावना रखो, दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझो, जनकल्याण की प्रबल भावना रखो, अपने बच्चों को सनातनधर्म की शिक्षा दो।’

केंद्रीय प्रवक्ता रमेशचंद्र मिश्र जी ने कहा कि ‘माता भगवती आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा की साधना सबसे सरल व सहज साधना है और ‘माँ’ की साधना से वह सब कुछ पाया जा सकता है, जो दुर्लभ हैं। परम पूज्य सद्गुरुदेव जी महाराज ने माता भगवती की पूर्ण कृपा को प्राप्त करके समाज



को सबसे सरल साधना प्रदान की है।’ टीम प्रमुख सत्यवती पाल जी ने उपस्थित जनसमुदाय को साधनाक्रम

की जानकारी दी। अन्त में योगेंद्र तिवारी जी ने उपस्थित भक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेंदूखेड़ा के ग्राम धनगौरकला में शराबबंदी को लेकर महिलाओं ने संभाला मोर्चा



तेंदूखेड़ा, दमोह। तेंदूखेड़ा तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत स्थित ग्राम धनगौरकला की महिलाओं ने अपने गांव में शराबबन्दी के लिए मोर्चा संभाल लिया है और गत दिनों गांव में रैली निकालकर महिलाओं ने शराब का कारोबार करने वालों को कड़ा संदेश दिया कि गांव में जो भी शराब बेचेगा और पियेगा उसकी खैर नहीं है।

इससे पहले शराबबन्दी को लेकर ग्राम में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम्य महिलाओं सहित सरपंच प्रतिनिधि द्वारा सिंह जी, पूर्व सरपंच गनेश यादव जी, भगवती मानव कल्याण संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष धीरज सिंह जी, जगदीश सिंह जी एवं कुशल सिंह सहित ग्राम के अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

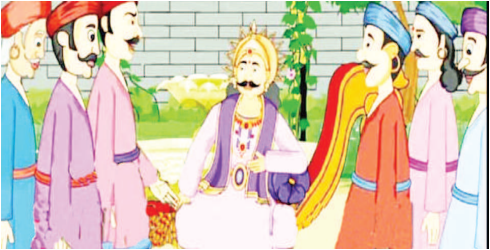
भुईमाड़ में सम्पन्न हुआ पाँच घंटे का श्री दुर्गाचालीसा अखण्ड पाठ

भुईमाड़। भगवती मानव कल्याण संगठन के तत्वावधान में कुश्मी तहसील के भुईमाड़, तहसील-कुश्मी, जिला-सीधी में दिनांक 07 नवम्बर को पाँच घंटे का श्री दुर्गाचालीसा अखण्ड पाठ सम्पन्न किया गया।



शिक्षाप्रद कहानी

सकारात्मक सोच से ही परिवर्तन संभव है



राजा रल सेन अपनी प्रजा के सुख-दुःख के प्रति हमेशा चिंतित रहते थे और वे नियमित रूप से राज्य में घूमते थे, प्रजा का हाल लेते थे तथा उनके सुख-दुःख में सहभागी बनते थे। आम आदमी और राजसत्ता के बीच संवाद स्थापित करने के लिए वे कई प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करते थे। एक दिन राजा ने राज्य में डिंडोरा पिटव्या फि वे एक अनोखी प्रतियोगिता का आयोजन करने वाले हैं। इसमें जो भी विजेता बनेगा, उसे वे अपना उत्तराधिकारी बनाएंगे। जाति, धर्म और संप्रदाय का कोई बंधन नहीं होगा। इस घोषणा से सभी वर्गों के लोग, राजकुमार से लेकर साधारण ग्रामीण तक, प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उत्सुक हो गए।

राजा ने सबसे पहले अपने राजकुमार से प्रश्न किया, ‘ऐसा कौन सा वृक्ष राज्य के वन-उपवन में लगाया जाए, जिस पर सफलता के फल लगे और जिन्हें खाकर राज्य का भाग्य परिवर्तित होजाए?’ राजकुमार सहित कई लोगों ने उत्तर देने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी राजा को संतुष्ट नहीं कर सका। तब, एक साधारण युवक, जो ग्रामीणों की जमानत में खड़ा था, आगे आया। उसने विनम्रता से कहा, ‘महाराज, हमारे राज्य में कुछ और नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच के वृक्ष रोपे जाने की आवश्यकता है, उसी पर सफलता के फल लग सकते हैं, जिन्हें खाकर राज्य की प्रजा दिन-दोरा, रात चौगुनी प्रगति कर सकती है और तभी राज्य का भाग्य परिवर्तन संभव है।’ यह सुनकर राजा का चेहरा खिल उठा। उन्हें यह विश्वास हो गया कि इसी युवक में वह विशेषता है, जिसकी उन्हें तलाश थी। बिना कोई देरी किए राजा ने राज्य की सत्ता उस युवक को सौंप दी। कुछ दिनों के बाद राजा रल सेन सन्यास लेकर जंगल की ओर चले गए। वे समझ गए थे कि सच्चा नेतृत्व केवल सत्ता में नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता को बदलने में है।

नशाविरोधी जनान्दोलन

अवैध शराब ज़ब्त करवाने की दिशा में संगठन के कार्यकर्ताओं की सजगता सराहनीय

संकल्प शक्ति। भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ता पुलिस को सूचना देकर अवैध शराब ज़ब्त करवाने में सराहनीय भूमिका अदा कर रहे हैं।

इसी क्रम में, दिनांक 05 नवम्बर को सायंकाल 07:45 बजे दमोह जिले के नोहटा थानान्तर्गत राजघाट पुल के पास 90 पाव देशी मसाला और 10 पाव देशी प्लेन शराब पकड़ी गई। आरोपी राहुल यादव पुत्र जगदीश यादव और रानू यादव पुत्र सोनेलाल यादव, बिना नम्बर की डीलक्स मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहे थे।

दिनांक 05 नवम्बर को रात्रि लगभग 09:00 बजे दमोह जिले के नोहटा थानान्तर्गत इर्मलिया मानगढ़ के पास 75 पाव देशी मसाला और 125 पाव देशी प्लेन शराब पकड़ी गई। राजेश राय पुत्र अच्छे लाल राय और राजा राय पुत्र संतोष राय, बिना नम्बर की हीरो सीडी डाउन मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहे थे।

दिनांक 08 नवम्बर को सुबह 11:30 बजे जबलपुर जिले के गढ़ा थानान्तर्गत अंधमुख बाईपास, गुरु की रसोई के पास 50 पाव देशी मसाला और 50 पाव देशी प्लेन शराब पकड़ी गई। आरोपी जितेन्द्र राजपूत और लक्की विशनोई, टीबीएस मोटरसाइकिल क्रमांक-एमपी 20 एनएल/0152 से



दमोह जिले के नोहटा थानान्तर्गत राजघाट पुल के पास पकड़ी गई शराब



दमोह जिले के नोहटा थानान्तर्गत इर्मलिया मानगढ़ के पास पकड़ी गई शराब



जबलपुर जिले के गढ़ा थानान्तर्गत अंधमुख बाईपास पर पकड़ी गई शराब



दमोह जिले के पथरिया थानान्तर्गत वार्ड क्र.-3 में पकड़ी गई शराब

शराब लेजा रहे थे। दिनांक 08 नवम्बर को रात्रि 10 बजे दमोह जिले के पथरिया थानान्तर्गत वार्ड क्रमांक-3, नगर पथरिया में 06 पेटो शराब पकड़ी गई। आरोपी

कमलेश राय, भूरे लोधी और शिवाजी ठाकुर व छोटे सोंग घोसी, दो मोटरसाइकिलों (हीरो एचएफ डीलक्स और हीरो स्पेंडर प्लस) से शराब लेजा रहे थे।

ज्यादा मूंगफली खाना सेहत के लिए सही नहीं

धीरे-धीरे मौसम बदलने लगा है। हल्की ठंडी हवाएं चलने लगी हैं। इन दिनों लोग बड़े चाव के साथ मूंगफली खाते हैं। खासकर महिलाओं की बात करें, तो वे बस में ट्रेवल करते हुए, किसी के साथ गप्पे लड़ाते हुए या टीवी देखते हुए मूंगफली खाना पसंद करती हैं। कुछ महिलाएं इसका सेवन काफी ज्यादा मात्रा में कर बैठती हैं। लेकिन, अतिरिक्त मात्रा में मूंगफली का सेवन नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

वजन बढ़ सकता है

आपको इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि मुट्ठीभर मूंगफली में 170 कैलोरी पाई जाती है। पुरुषों को प्रतिदिन 2500 कैलोरी और महिलाओं को 2000 कैलोरी चाहिए होती है। ऐसे में अगर कोई काफी ज्यादा मात्रा में मूंगफली का सेवन करता है, तो वह अंजाने में रोजाना की जरूरत से ज्यादा का कैलोरी का इन्टेक कर सकता है। ऐसे में वजन बढ़ने की आशंका बनी रहती है।



मिनरल्स अवशोषण का बाधित होना

मूंगफली में फाइटिक एसिड नाम का एक कंपाउंड होता है। इसके कई तरह के फंक्शन होते

हैं। यह ज्यादातर पौधों में पाया जाता है, जिसका काम फास्फोरस को स्टोर करना होता है। इसके अलावा, यह नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स है। लेकिन, अगर आप फाइटिक एसिड का सेवन अधिक

मात्रा में कर बैठते हैं, तो इसकी वजह से बांडी में मिनरल्स जैसे जिंक, कैल्शियम, मैग्नीशियम, क्रोमियम आदि का अवशोषण बाधित होने लगता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मूंगफली को सीमित मात्रा में ही खाएं। अतिरिक्त मात्रा में खाने से यह फायदे के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है।

बढ़ सकता है ब्लड प्रेशर

वैसे तो मूंगफली में नेचुरल नमक नहीं होता है, लेकिन लोग स्वाद बढ़ाने के लिए नमक के साथ मूंगफली खाना पसंद करते हैं। जब आप किसी चीज में ऊपर से नमक बुरककर खाते हैं, तो यह आपकी हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकता है। मूंगफली के साथ लोंग चाट मसाला और नमक का सेवन करते हैं। जिन लोगों को पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर है, उन्हें इसका सेवन सोच-समझकर करना चाहिए। अतिरिक्त मूंगफली का सेवन करने की वजह से ब्लड प्रेशर का स्तर और भी बढ़ सकता है, जो कि बीपी के मरीजों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

वर्कआउट के बाद शहद के सेवन से सेहत को अनेक लाभ



विशेषज्ञों के सुझाव

वर्कआउट के बाद शहद का सेवन किया जाना सही है, लेकिन अगर आप इसके साथ दही या प्रोटीन शेक को मिलाकर खाते हैं, तो यह खाने के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके अलावा, वर्कआउट के बाद सिर्फ एक या दो चम्मच ही शहद खाएं। इसमें कैलोरी काउंट ज्यादा होती है। वर्कआउट के बाद ज्यादा शहद का सेवन करने से आपको फायदे की बजाय नुकसान हो सकता है। वहीं, अगर आपको डायबिटीज है, तो शहद का सेवन न करना ठीक रहेगा।

प्रायः वर्कआउट के बाद हम काफी थकान और कमजोरी महसूस करते हैं, क्योंकि वर्कआउट के दौरान शरीर से काफी पसीना बह जाता है, जिससे व्यक्ति को थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है। यही कारण है कि वर्कआउट के बाद लोग जो भी मिलाता है, वह खा लेते हैं। हालांकि, हेल्थ कॉन्सिल लोग वर्कआउट के तीस मिनट के भीतर नट्स आदि चीजों का सेवन करते हैं। इससे इंस्टेंट एनर्जी मिलती है और कमजोरी व थकान भी दूर होजाती है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो वर्कआउट के बाद शहद का सेवन

करते हैं और ऐसा करना उनके लिए काफी लाभप्रद साबित होता है।

शहद खाने के फायदे

शहद में नेचुरल शुगर (ग्लूकोज और फ्रक्टोज) अधिक मात्रा में पाया जाता है। यह तेजी से बांडी में एब्जॉर्ब होता है, जो कि आपको इंस्टेंट ऊर्जा देने में मदद करता है।

मांसपेशियों की रिकवरी

शहद में मौजूद नेचुरल शुगर मांसपेशियों की सेल्स के लिए ऊर्जा का एक आसानी से उपलब्ध स्रोत

प्रदान करके मांसपेशियों की रिकवरी में मदद करता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

शहद में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। वर्कआउट के बाद ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन होजाती है। वहीं, शहद का सेवन करने से ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद मिलती है।

पाचन क्षमता में सुधार

शहद आसानी से पचाया जा सकता है। वैसे भी वर्कआउट के बाद बांडी को इंस्टेंट कार्ब की जरूरत होती है। वहीं, शहद से आपको कार्ब्स मिलते हैं।

वैरिकोज वेन्स पैरों की नसों में मकड़ीनुमा उभार दिखें तो सुबह-शाम टहलें अवश्य



वैरिकोज वेन्स की समस्या उनमें अधिक पाई जाती है, जो लंबे समय तक खड़े रहते हैं। यह रोग महिलाओं व दुकानदारों में अधिक होता है। कम्प्यूटर के सामने व ऑफिस में घंटों बैठने वाले लोग, जिन्होंने नियमित चलने की आदत को छोड़ दिया है और ज्यादा देर तक लगातार बैठकर कार्य करते रहते हैं, उन्हें वैरिकोज वेन्स होने की आशंका अधिक होती है।

आप यदि इस रोग से परेशान हैं, तो तुरंत वैस्कुलर सर्जन से परामर्श लें। इस रोग की शुरुआत होने पर तुरंत सर्जरी या लेजर की जरूरत नहीं होती है, बल्कि दिनचर्या में फेरबदल करना पड़ता है। रोजाना सुबह-शाम एक-एक घंटे यानी कुल दो घंटे टहलें। कुर्सी पर बैठने के बाद पैरों को एक घंटे से ज्यादा लटकाकर न बैठें। न ही एक घंटे से ज्यादा लगातार खड़े रहें। यदि वजन बढ़ा हुआ है तो उसे घटाएं और हर दो माह में वैस्कुलर सर्जन से परामर्श करें। अगर पैरों पर काले निशान उभर आते हैं, सूजन रहती है या घाव उभरने लगें, तो सर्जरी या लेजर या आरएफ तकनीक का सहारा लेना पड़ता है।

रोग की पहचान ऐसे करें

अपने पैरों को ध्यान से देखें। अगर मकड़ीनुमा उभरी नीले रंग की नसें त्वचा पर दिख रही हैं या काले रंग के निशान या चकत्ते दिख रहे हैं, तो यह वैरिकोज वेन्स है। यदि चलने के बाद पैरों में थोड़ी लाल व नीले रंग की उभरी हुई नसें दिखने लगे तो यकीनन यही रोग है।

हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे बांग्लादेश: भारत

जस्टिस संजीव खन्ना ने संभाला प्रधान न्यायाधीश का पदभार



नई दिल्ली। जस्टिस संजीव खन्ना ने सोमवार को भारत के 51वें प्रधान न्यायाधीश का पद ग्रहण कर लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें शपथ दिलाई। श्री खन्ना ने रिट्स डीवाइड चंद्रचूड़ का स्थान लिया है। इनका कार्यकाल 13 मई 2025 तक रहेगा। वह वर्तमान में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी हैं।

एक्सप्रेस-वे पर ट्रक में घुसी कार, पाँच की मौत



नोएडा। ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर रविवार को सड़क हादसे में एक ही परिवार के पाँच लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन महिलाएँ शामिल हैं। कार एक्सप्रेस-वे पर खराब खड़े ट्रक में जा घुसी थी। पुलिस ने कड़ी मशकत के बाद शवों को बाहर निकाला। हादसे के कारण कुछ देर यातायात अवरुद्ध रहा।

किश्तवाड़ में आतंकियों से हुई मुठभेड़ में एसएफ का जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर। किश्तवाड़ में आतंकियों के साथ रविवार को हुई मुठभेड़ में स्पेशल फोर्स के नायब सुबेदार राकेश कुमार शहीद हो गए और 03 जवान घायल हैं। सुरक्षाबलों ने किश्तवाड़ के जंगलों में आतंकी छिपे होने की सूचना पर ऑपरेशन चलाया था। कश्मीर टाइगरर्स ग्रुप के इन आतंकियों ने 02 विलेज गार्ड की हत्या की थी।

जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच यह तीसरी मुठभेड़ थी, जबकि नवंबर महीने के 10 दिनों में अब तक 08 आतंकी मारे जा चुके हैं। बारामूला के सोपोर में 09 नवंबर को एक और 8 नवंबर को दो आतंकी मारे गए थे।

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश के चटगांव में हिंदुओं पर हुए हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, बांग्लादेश सरकार चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करे और हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करे। दरअसल, चटगांव में ISKCON मंदिर और सनातनधर्म पर विवादित टिप्पणी के खिलाफ हिंदुओं ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान आर्मी ने लाठीचार्ज कर दिया।



बांग्लादेश में कितने हिंदू?

बांग्लादेश में लगभग 01 करोड़ 30 लाख हिंदू रहते हैं। पूर्वी बंगाल (पूर्वी पाकिस्तान) के लिए 1951 में हुई जनगणना के अनुसार, यहाँ 22 प्रतिशत आबादी हिंदू थी, जो 1991 में घटकर 15 प्रतिशत रह गई। 2011 में यह संख्या सिर्फ 8.5 प्रतिशत रह गई। वहीं, 1951 में मुस्लिम आबादी 76 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 91 प्रतिशत हो गई है। बांग्लादेश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय हिंदू है।

एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे पर फैसला करेगी नई बेंच, सुप्रीम कोर्ट ने पलटा 1967 का फैसला

नई दिल्ली। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के अल्पसंख्यक दर्जे पर अब सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों को नई बेंच फैसला करेगी। सात जजों की बेंच ने 4:3 के बहुमत से 1967 के अपने ही फैसले को पलट दिया। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केंद्रीय कानूनों के तहत बना संस्थान माइनिॉरिटी इंस्टीट्यूशन होने का दावा नहीं कर सकता।



कहां से शुरू हुआ विवाद

2005 में एएमयू ने खुद को अल्पसंख्यक संस्थान माना और मेडिकल के पीजी कोर्स की 50 प्रतिशत सीटें मुस्लिम छात्रों के लिए आरक्षित कर दी थीं। हिंदू छात्र इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट गए। हाईकोर्ट ने एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना। इसके खिलाफ एएमयू सुप्रीम कोर्ट गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में इस मामले को सात जजों की संवैधानिक बेंच को ट्रांसफर कर दिया था।

पन्नू ने दी राम मंदिर पर हमले की धमकी



नई दिल्ली। कनाडा में बैठे खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अयोध्या के राम मंदिर सहित हिंदू मंदिरों पर हमले की धमकी दी है। प्रतिबंधित सिख फोर जस्टिस संगठन की तरफ से जारी वीडियो में पन्नू ने कहा है कि हम 16 और 17 नवंबर को हिंदुत्व विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे!

एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल से युद्धपोत हो जाएंगे नेस्तनाबूद

नई दिल्ली। भारत जल्द ही 1000 किलोमीटर दूर दुश्मन के विमानवाहक युद्धपोतों को नेस्तनाबूद कर सकेगा। यह क्षमता हासिल करने के लिए आने वाले दिनों में एक नई लंबी दूरी की एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण की तैयारी की जा रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित की जा रही यह मिसाइल युद्धपोतों और जमीन दोनों से प्रक्षेपित किया जा सकेगा। यह मिसाइल प्रणाली भारतीय नौसेना के लिए विकसित की जा रही है।



भारतीय सेना लगातार अपने आयुध भंडार में बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या बढ़ा रही है। पिछले समय में भारतीय थल और वायुसेना ने 'प्रलय' बैलिस्टिक मिसाइलों का आर्डर दिया है। तीनों सेनाओं में छोटी और मध्यम दूरी की मिसाइलों को शामिल करने के साथ ही इनकी संख्या भी बढ़ाई जाएगी। जिससे उन्हें लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष को झेलने की क्षमता मिलेगी।

हाल के दिनों में, संघर्षों में बैलिस्टिक मिसाइलों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है, जहाँ गैर-सरकारी तत्वों की भी एक ही रात में दुश्मन के ठिकानों पर सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें दागते देखा गया है। भारतीय सेना उत्तरी सीमाओं पर चीन के साथ संघर्ष में रही है, जिसके पास एक विशाल रॉकेट बल है और जिसके पास पारंपरिक या गैर-परमाणु भूमिकाओं में ऐसे लंबी दूरी के हथियारों का विशाल भंडार है। भारतीय सेनाओं ने सभी सुरक्षा चुनौतियों को सामना करने के लिए बड़े आकार की सूची वाले ऐसे संगठन के निर्माण की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की है।

कोई भी धर्म किसी भी ऐसी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देता, जो प्रदूषण को बढ़ाती है: सुप्रीम कोर्ट



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर प्रतिबंध को उसके आदेश को गंभीरता से नहीं लेने के लिए सोमवार को दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि पटाखों पर प्रतिबंध पूरी तरह लागू करने के बजाय मजबूत दिखावा किया गया। जस्टिस अभव एस. ओक और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि अगर पटाखे इसी तरह फोड़े जाते रहे तो नागरिकों का सेहत का मौलिक अधिकार प्रभावित होगा। पीठ ने दिल्ली पुलिस को कोर्ट के आदेश के पूर्ण पालन के लिए स्पेशल सेल बनाने का निर्देश दिया। यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि बिना लाइसेंस कोई पटाखों का उत्पादन-बिक्री न कर सके।

पीठ ने कहा, माना जाता है कि कोई भी किसी भी ऐसी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देता, जो प्रदूषण को बढ़ाती है या लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाती है। पीठ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सभी राज्यों को यह बताने को कहा है कि उन्होंने प्रदूषण को कम करने के लिए क्या कदम उठाए? दिल्ली सरकार से कहा गया कि वह हितधारकों से परामर्श के बाद 25 नवंबर से पहले पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने पर फैसला करे। दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए पीठ ने पूछा कि आपने पटाखों पर प्रतिबंध का ऐलान देरी से क्यों किया? जब तक सरकार ने ऐलान किया, तब तक हो सकता है कि लोगों ने पटाखे खरीदकर रख लिए होंगे।

सिद्धाश्रम स्थित त्रिशक्ति गोशाला में मनाया गया गोसेवा समर्पण दिवस

सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज और पूजनीया शक्तिमयी माता जी ने गायों को खिलाई रोटियाँ और दिया अपना स्नेह-दुलार



पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम पर स्थित त्रिशक्ति गोशाला में गोसेवा समर्पण दिवस (कार्तिक शुक्लपक्ष अष्टमी), दिनांक 09 नवम्बर को सिद्धाश्रमवासियों और आगन्तुक भक्तों ने पूर्ण श्रद्धा के साथ मनाया। इस अवसर पर सभी ने जहाँ गोशाला की अच्छी तरह सफाई की और गौ-माताओं व उनके बछड़ों को नहलाया, वहीं सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज और पूजनीया शक्तिमयी माता जी ने गायों को रोटियाँ खिलाई और अपना स्नेह-दुलार दिया।

खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप डल्ला कनाडा पुलिस की हिरासत में



कनाडा। खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप डल्ला को कनाडा में हिरासत में लिया गया है। वह हरदीप सिंह निज्जर का सहयोगी है। भारत ने उसे दो साल पहले आतंकी घोषित किया था। कनाडा और भारत के बीच डिप्लोमैटिक बातचीत बंद होने की वजह से डल्ला की हिरासत को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर को कनाडा के मिल्टन शहर में शूटआउट हुआ था। पुलिस ने 02 लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की। अब मालूम हुआ है कि उनमें से एक आरोपी डल्ला ही है। भारत की नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी (एनआइए) ने उसे हत्या, आतंक के लिए धन उगाही, हत्या का प्रयास और पंजाब में लोगों के बीच आतंक पैदा करने के मामलों में दोषी पाया है।

अनोखी स्थापत्य कला की पहचान है चोलमन्दिर



चोल शासकों ने दक्षिण भारत में चोलमन्दिर बनवाए थे। यहाँ के बृहदेश्वर मन्दिर को यूनेस्को ने वर्ष 1987 में विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था। वहीं, ऐरावतेश्वर मन्दिर दारासुर को वर्ष 2004 में इस सूची में जोड़ा था। इस स्थल को अब 'महान जीवित चोल मन्दिर' नाम दिया गया है। बृहदेश्वर अथवा बृहदीश्वर मन्दिर तमिलनाडु के तंजौर में स्थित हिंदू मन्दिर है, जो 11वीं सदी के आरम्भ में बनाया गया था। इसे तमिल भाषा में बृहदीश्वर के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण 1003-1010 ई. के बीच चोल शासक राजाराज चोल प्रथम ने करवाया था, ऐसा माना जाता है। उनके नाम पर इसे राजराजेश्वर मन्दिर का नाम भी दिया जाता है। यह अपने समय के विश्व के विशालतम संरचनाओं में गिना जाता था। इसे तेरह मंजिल मंदिर की ऊंचाई लगभग 66 मीटर है। यह मंदिर भगवान् शिव का है। ये दोनों वास्तुकला, पाषाण व ताम्र में शिल्पांकन, प्रतिमा विज्ञान, चित्रांकन, नृत्य, संगीत, आभूषण एवं उत्कीर्ण कला का भंडार हैं। चोल मंदिर के निर्माण कला की एक विशेषता यह है कि इसके गुंबद की परछाई पृथ्वी पर नहीं पड़ती है। शिखर पर स्वर्णकलश स्थित है। जिस पाषाण पर यह कलश स्थित है, अनुमानतः उसका भार करीब 80 टन है। यह एक ही पाषाण से बना है। मंदिर में प्रवेश करने पर गोपुरम के भीतर एक चौकर मंडप है। यहाँ चबूतरे पर नन्दी जी विराजमान हैं। नन्दी जी की यह प्रतिमा 06 मीटर लंबी, 2.6 मीटर चौड़ी और 3.7 मीटर ऊंची है।

अवैध घुसपैठ चिन्ताजनक: सोमैया

मुंबई में 2051 तक 54 प्रतिशत हिंदू हो जाएंगे कम और 30 फीसदी बढ़ जाएगी मुस्लिम आबादी!

मुंबई। टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज (टिस) की जनसांख्यिकी को लेकर ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि मुंबई में बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं की तेजी से बढ़ रही संख्या शहर की समाजिक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही है। यदि यही हाल रहा तो 2051 तक हिंदू आबादी 54 फीसदी से कम हो जाएगी, जबकि मुस्लिम समुदाय की आबादी 30 फीसदी बढ़ जाएगी।



रिपोर्ट पर भाजपा नेता किरिटी सोमैया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सही कह रहे हैं कि एक हैं तो सुरक्षित हैं। जिस तरह बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं की अवैध घुसपैठ हो रही है, वह चिन्ताजनक है। मुंबई के गोवंडी, मानखुर्द, मुंबादेवी, नया नगर, मुंबा और भिवंडी में बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है।

टिस की रिपोर्ट में मुंबई में हिंदू और मुस्लिम समुदायों की जनसंख्या में आए बदलाव का संकेत दिया गया है। साथ ही इसमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के चरते मुंबई की राजनीति को प्रभावित करने का भी उल्लेख है। रिपोर्ट में कहा गया कि कुछ राजनीतिक संस्थाएं वोट बैंक की राजनीति के लिए इन अवैध अप्रवासियों का इस्तेमाल

कर रही हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित कर सकती हैं। बिना दस्तावेज वाले अवैध अप्रवासी फर्जी वोट आईडी हासिल कर रहे हैं, जो चुनावी निष्पक्षता और देश की लोकतांत्रिक प्रणाली के बारे में चिन्ताएं बढ़ाते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 1961 में हिंदू आबादी 88 प्रतिशत थी, जो 2011 में घटकर 66 फीसदी रह गई। 2011 तक हिंदूओं की आबादी मात्र 08 प्रतिशत बढ़ी। 1968 में मुस्लिम आबादी 08 फीसदी थी, वह 2011 में बढ़कर 21 फीसदी हो गई। अनुमान है कि 2051 तक हिंदू आबादी 54 प्रतिशत से कम होगी और मुस्लिम आबादी करीब 30 प्रतिशत बढ़ जाएगी।

रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि 50 प्रतिशत अवैध घुसपैठी महिलाएं व्यावसायिक रूप से देह व्यापार में संलिप्त हैं, इससे मुंबई शहर की समाजिक व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो रही है।